बर्षः- 06
अंकः- 50
मुरादाबाद
(Wednesday)
10 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले- राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं, भारत एक देश है धर्मशाला न समझें

यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचेगी हाईस्पीड इंटरनेट सेवा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्राडबैंड सुविधा आज की बड़ी आवश्यकता है। इंटरनेट की स्पीड जितनी तेज होगी विकास की गति भी उतनी ही तेज होगी और लोगों के जीवन में भी उतना व्यापक परिवर्तन होता दिखेगा। प्रोजेक्ट गंगा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हाईस्पीड इंटरनेट सेवा उपलब्ध करवाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राम की आलोचना करने वालों पर हमला करते हुए कहा कि राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह

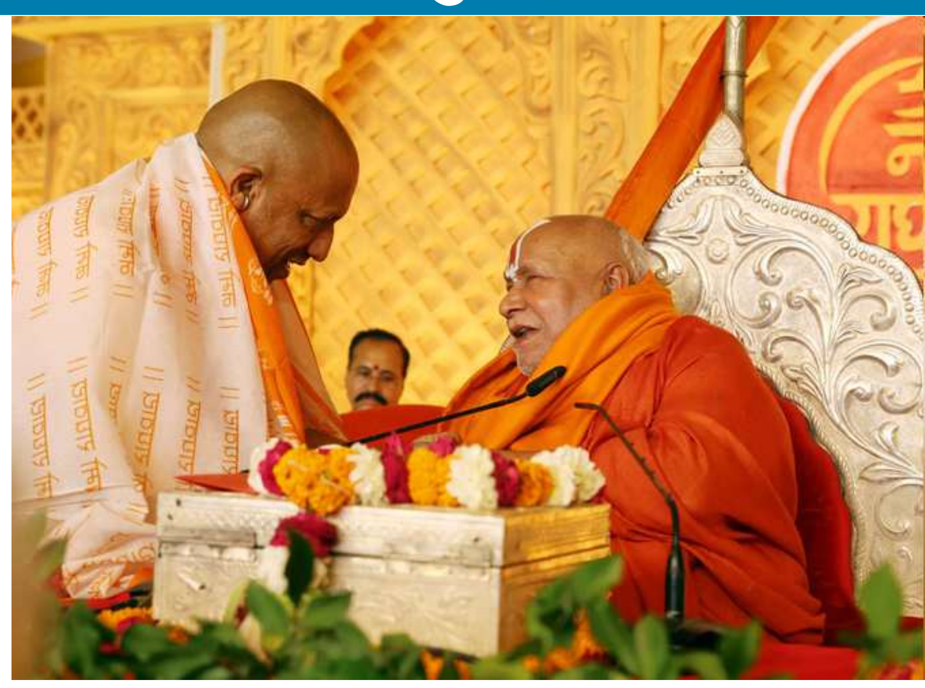

नहीं मिलती। योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे।राम नाम में हर समस्या का समाधान - मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों को जीवन का हिस्सा बनाया है। मर्यादा पुरुषोत्तम का नाम उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है। अदालत ने भी माना- सैकड़ों वर्षों से अन्याय- सीएम ने कहा कि 491 वर्ष तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलता रहा। 2019 में सर्वोच्च न्यायालय की फुल बेंच के न्यायमूर्तियों ने अपने फैसले में कहा कि जहां रामलला विराजमान हैं, वहीं रामजन्मभूमि है। इसे लेकर साक्ष्य-प्रमाण और विद्वानों के वक्तव्य भी दिए गए थे। सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायमूर्ति ने स्वामी रामभद्राचार्य जी के बारे में कहा कि जब मैंने उनके वक्तव्य को सुना तो लगा कि सनातन धर्मावलंबियों के साथ सैकड़ों वर्षों से अन्याय हो रहा था। संतों की साधना राष्ट्र कल्याण व लोकमंगल के लिए- गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि संतों की साधना राष्ट्र कल्याण व लोकमंगल के लिए है। जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी द्वारा स्थापित भारत का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में है और वह उसके कुलाधिपति हैं। इस उम्र में वह आराम कर सकते थे, लेकिन राष्ट्रमंगल की कामना के साथ प्रभु की कथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। देश-दुनिया में कोई भी भक्त बुलाता है तो प्रभु की कृपा को जन-जन तक पहुंचाते हैं। इसके पीछे उनका उद्देश्य है कि भगवान राम के विराट आदर्शों से भक्त थोड़ा भी अंश जीवन में अंगीकार कर लें तो उनका, समाज व देश का कल्याण हो सकता है। नकारात्मक ताकतें आएंगी तो तहस-नहस करेंगी- मुख्यमंत्री ने कहा कि रावण और उसके राक्षसों की आर्यावृत में घुसपैठ थी। खर-दूषण के आतंक से दंडकारण्य त्रस्त था। ताड़का, मारीच व सुबाहु ने बस्तर के वनों, नगरों को उजाड़ दिया था। जब भी नकारात्मक ताकतें वर्चस्व में आएंगी तो तहस-नहस करेंगी। शिक्षण संस्थानों व शोध केंद्रों को वैसे ही बंजर करेंगी, जैसे खर-दूषण व ताड़का द्वारा किया जाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ में पांच कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास से प्रोजेक्ट गंगा का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से अगले तीन वर्षों में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हाईस्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोगों ने 2025-26 के बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश सरकार डिजिटल सशक्तिकरण की दृष्टि से प्रदेश के अंदर आठ हजार डिजिटल इंटरप्रेन्योर को आगे बढ़ाएगी जिसमें 50 फीसदी महिलाएं होंगी। मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट गंगा उसका माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि ब्राडबैंड सुविधा आज की बड़ी आवश्यकता है। इंटरनेट की स्पीड जितनी तेज होगी विकास की गति भी उतनी ही तेज होगी और लोगों के जीवन में भी उतना व्यापक परिवर्तन होता दिखेगा।इस प्रोजेक्ट का नाम गंगा है। मतलब गवर्नमेंट एसिस्टेंट नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट। मां गंगा ने उत्तर भारत को दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि प्रदान की है जिससे कि दुनिया भर का पेट भरने के लिए खाद्यान्न उत्पन्न होता है। मां गंगा भारत की एकात्मता और आत्मनिर्भरता का आधार हैं। इसी तरह यह प्रोजेक्ट भी आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करेगा। दावा किया जा रहा है कि प्रोजेक्ट गंगा से प्रदेश के 20 लाख घरों में हाईस्पीड इंटरनेट सेवा पहुंचेगी और इससे परियोजना से बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे।इस प्रोजेक्ट का नाम गंगा है। मतलब गवर्नमेंट एसिस्टेंट नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट। मां गंगा ने उत्तर भारत को दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि प्रदान की है जिससे कि दुनिया भर का पेट भरने के लिए खाद्यान्न उत्पन्न होता है। मां गंगा भारत की एकात्मता और आत्मनिर्भरता का आधार हैं। इसी तरह यह प्रोजेक्ट भी आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करेगा। दावा किया जा रहा है कि प्रोजेक्ट गंगा से प्रदेश के 20 लाख घरों में हाईस्पीड इंटरनेट सेवा पहुंचेगी और इससे परियोजना से बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मनुष्य के जीवन की हर समस्या का समाधान प्रभु श्रीराम के नाम में है। दुनिया मे रहने वाले हर भारतीय का डीएनए प्रभु श्रीराम से जुड़ा हुआ है। भारत को पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाला एक ही नाम है जो प्रभु श्रीराम का है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लखनऊ में जगद्गुरू रामभद्राचार्य की रामकथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राम हमारी संस्कृति का आधार हैं। यही कारण है कि राम मंदिर के निर्माण का आंदोलन 500 वर्षों तक किसी न किसी रूप में चलता रहा क्योंकि प्रभुश्रीराम का नाम हर भारतीय को एक दूसरे से जोड़ता है। राम मंदिर के लिए भारत के पूज्य संतों ने लगातार अभियान चलाया तब अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ।

संक्षिप्त समाचार

तेजस्वी यादव बोले- सुरक्षा की जरूरत नहीं, सीएम सम्राट चौधरी के बारे में उन्होंने क्या कहा?

बिहार में सुरक्षा पर सियासत जारी है। दिल्ली से पटना लौटते ही उन्होंने एनडीए सरकार पर हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी टिप्पणी की। आइये जानते हैं उन्होंने क्या कहा? राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सुरक्षा कटौती के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की क्या जरूरत है? जिन्हें डर लगता है, उन्होंने सुरक्षा रखी हुई है। जनता हमारे साथ है। वह सारी बात जानती है। किसी उद्देश्य से सरकार ऐसा कर रही है, यह सबके सामने है। उन्होंने सीएम सम्राट चौधरी पर हमला बोला है। कहा कि वह मुख्यमंत्री जरूर बन गए हैं लेकिन वह चीफ मिनिस्टर नहीं, चीप मिनिस्टर हैं। राजद सांसद मीसा भारती ने भी एनडीए सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को शायद अपराधियों को सुरक्षा देने में दिक्कत आ रही है, इसलिए पूर्व मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा कम कर दी गई है।वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई थी। कुछ दिन पहले उनकी सुरक्षा में अचानक से कटौती कर दी गई। कि न बिहार सरकार में मंत्री और न ही अन्य किसी बड़े पद पर हैं फिर भी उन्हें सुरक्षा दी जा रही है। सामाजिक और राजनीतिक रूप से राजद का जनाधार ज्यादा है। इसलिए खतरा भी ज्यादा है। सरकार को इससे अवगत कराना चाहिए

हरदोई में एसडीएम पर हमलाः मायावती ने बताया चिंताजनक, अखिलेश बोले- भाजपा राज में प्रशासनिक अधिकारी भी निशाने पर

हरदोई में एसडीएम पर हुए जानलेवा हमले के बाद मायावती और अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष ने इस घटना को भाजपा सरकार की विफलताओं और अराजकता का प्रमाण बताया है।हरदोई के शाहाबाद में एसडीएम पर हुए हमले के मामले ने अब प्रदेश की सियासत को गरमा दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस घटना को भाजपा सरकार की विफल कानून-व्यवस्था का प्रमाण बताते हुए तीखे हमले किए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि भाजपा राज में यूपी में हर तरफ टकराहट है। भाजपा ने अपनी भ्रष्ट, पक्षपाती और नफरती राजनीति से समाज को हिंसक बना दिया है।इससे अब प्रशासनिक अधिकारी तक निशाने पर आ गए हैं। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती ने चिंता जताते हुए कहा कि हरदोई में सरकारी निरीक्षण के दौरान एसडीएम पर दबंगों द्वारा ईंट-पत्थर से जानलेवा हमला तथा उनका घायल होकर अस्पताल में भर्ती होना दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि अति-चिन्ताजनक है। सरकार को व्यापक जनहित में इस ओर समुचित ध्यान देना चाहिए,ताकि सरकारी कार्यों में कथित भ्रष्टाचार के साथ-साथ प्रदेश को अराजक तत्वों से बचाया जा सके।ये था पूरा मामला

बता दें कि शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के परियल गांव में बाढ़ राहत की तैयारियों का जायजा लेने गए एसडीएम से प्रधान के बेटे ने अभद्रता कर दी। इस पर एसडीएम ने उसे अपने पास बैठा लिया। प्रधान के बेटे ने फोन कर गांव से महिलाएं और ग्रामीण बुला लिए। मामला शांत होने पर एसडीएम वापस जाने लगे तभी महिलाओं और ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। सिर में पत्थर लगने से एसडीएम घायल हो गए। उनके सिर में पांच टांके लगाए गए हैं। मेडिकल कॉलेज में डीएम, एसपी समेत आला प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

11 जून को बाढ़ राहत का मॉकड्रिल होना है शाहाबाद के एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा सोमवार शाम लगभग साढ़े चार बजे परियल गांव गए थे। यह गांव गर्रा नदी के किनारे है। 11 जून को बाढ़ राहत का मॉकड्रिल होना है। इसकी तैयारी के सिलसिले में वह परियल गए थे।

इस दौरान बालू भरी ट्रॉली के अभिलेख देखे। अभिलेख सही मिलने पर उसे जाने दिया गया। बाढ़ शरणालय की दृष्टि से वह अन्नपूर्णा भवन और आरआरसी देखने लगे। इस दौरान प्रधान का बेटा उदयवीर राजपूत वहां आ गया। आरआरसी में दो दरवाजे न लगे होने के बारे में पूछने पर उदयवीर आक्रामक हो गया।कोई सजा देने के लिए नहीं बैठाया है इस पर एसडीएम ने उसे अपने पास बैठा लिया। इस बीच उदयवीर ने गांव में फोन कर दिया, तो ग्रामीण आ गए। इस पर एसडीएम ने बताया कि इन्हें कोई सजा देने के लिए नहीं बैठाया है। बाढ़ की जानकारी करने के लिए रोका है। इस पर ग्रामीण शांत हो गए। कुछ देर बाद जब एसडीएम वापस जाने लगे, तो ग्रामीणों ने उदयवीर के साथ मिलकर पथराव और हमला कर दिया। घायल एसडीएम को उनके सहयोगी वहां से लेकर सीएचसी शाहाबाद पहुंचे। घटना का पता चलने पर एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी और एसडीएम सदर मयंक कुंडू भी वहां आ गए। इसके बाद एसडीए को मेडिकल कॉलेज लाया गया।

प्रधान के पति हैं भाजपा के जिला पंचायत सदस्य- परियल की प्रधान शिवरानी हैं। उनके पति लालाराम राजपूत जिला पंचायत के सदस्य हैं। लालाराम राजपूत पूर्व में बसपा और सपा में रहने के बाद इन दिनों भाजपा में सक्रिय हैं। लालाराम लगातार तीसरी बार जिला पंचायत सदस्य हैं। उनका पक्ष जानने के लिए उन्हें कॉल की गई लेकिन उनके व परिजन के मोबाइल स्विच ऑफ मिले।

सवाल पर बिगड़ा प्रधान के बेटे का मूड-विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि आरआरसी के दरवाजे न लगे होने और अन्न पूर्णा भवन का शटर न खुलने पर एसडीएम ने इसकी फोटो खींच ली। दोनों फोटो बीडीओ शाहाबाद को भेज दीं। बीडीओ शाहाबाद ने बताया कि आरआरसी ग्राम पंचायत को हैंडओवर हो गया है और इसका पूरा भुगतान हो चुका है। अन्नपूर्णा भवन हैंडओवर न होने की जानकारी भी बीडीओ ने दी। इस पर एसडीएम ने भुगतान पूरा होने और गेट न लगे होने पर नाराजगी जताई तो उदयवीर का मूड बिगड़ गया।

कानून व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति किसी को भी नहीं है। जिन लोगों ने भी घटना को अंजाम दिया है वे चाहे जितने ताकतवर हों, उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन हर हाल में होगा। -अनुनय झा, डीएम

यूपीडा सीधे सीएम के अधीन, नंदी से कमान वापस, अखिलेश बोले- भ्रष्टाचार का टारगेट पूरा होने पर हटाया

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि अभी हाफ़ हुए हैं, विधानसभा में टिकट नहीं मिलेगा तो साफ़ हो जाएंगे। जब सारे 'घटिया एक्सप्रेसवे' बन गये और भ्रष्टाचार का आपसी लेनदेन का टारगेट पूरा हो गया तब हटाया तो क्या हटाया?यूपी सरकार ने राज्य की एक्सप्रेसवे और बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लेकर प्रशासनिक फेरबदल किया है। भाग को सौंप दिया गया है। अवस्थापना विकास विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास होने के कारण अब यूपीडा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण प्रस्ताव, फाइलें और निर्णय सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय के जरिये निस्तारित होंगे। इस बदलाव पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब सारे 'घटिया एक्सप्रेसवे' बन गये और भ्रष्टाचार का आपसी लेनदेन का टारगेट पूरा हो गया तब हटाया तो क्या हटाया?वहीं, सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 (अधि.) की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन के मुताबिक यह फैसला विभागीय कार्यों में आ रही

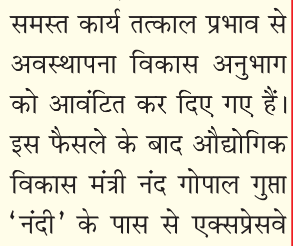

विसंगतियों, कार्य आवंटन में विरोधाभास और निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश के अनुसार यूपीडा से संबंधित समस्त कार्य तत्काल प्रभाव से अवस्थापना विकास अनुभाग को आवंटित कर दिए गए हैं। इस फैसले के बाद औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' के पास से एक्सप्रेसवे परियोजनाओं से जुड़ी प्रशासनिक कमान हट गई है। अभी तक यूपीडा से जुड़े बजट, परियोजनाओं की मंजूरी और अन्य महत्वपूर्ण फाइलें औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से आगे बढ़ती थीं, लेकिन अब यह प्रक्रिया सीधे मुख्यमंत्री स्तर पर होगी।शासन के मुताबिक यूपीडा का मूल कार्य एक्सप्रेसवे परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर और बड़ी अवस्थापना परियोजनाओं का विकास करना है। ऐसे में इसे अवस्थापना विकास विभाग के अधीन रखना अधिक व्यावहारिक माना गया है

संपादकीय Editorial

Disaster-Prone Tourism

The fire in Delhi's hotel has warned the entire tourism industry, and some references also relate to Himachal. If disaster-inducing tourism is tarnishing Delhi's image, similar concessions are being made in Himachal. Tourism opportunities are now opening in places where no government agency has any influence. Tourism units opening in mountain caves are offering risks in the name of experiences.

Unregistered units are often contributing to the growing list of insecurities. All types of construction in Himachal boast of mountain peaks, slopes, and natural water seepage, but when these are used commercially, the risks increase. Many buildings along ravines and river banks have collapsed, yet construction continues. Consequently, there is an urgent need to bring the entire state under the TCP Act.

Negligence towards materials, style, and architecture is creating a conflict with nature. It's also worth noting that there is no code of conduct for the use of private land near forests. The government is opening the chapter on land pooling in urban development. Therefore, pooling forests, public and private land is essential. Excessive tourism has altered the nature of construction, and its social impact is often negatively impacting the environment. The increasing number of vehicles on the roads has led to negative conflicts.

This is also because we consider every visitor a tourist, whereas in reality, less than 50% of visitors can be considered tourists. During the rainy season, only the "Gedimaar" (scammers) arrive in old vehicles. Excessive tourism has also begun to hamper Himachal's civil society.

The pressure on water supply, transportation, civic amenities, and sanitation at tourist destinations during the summer is a source of hardship for local residents.

It's time for tourism stakeholders to reform and ensure they manage activities to their full potential. Over the past few years, several unpleasant incidents have brought a bad name to many tourist destinations. Uncontrolled crowds also cause prices of essential commodities to skyrocket. When the issue becomes tourist versus local, social media attacks also begin from some neighboring states. In such a situation, government vigilance is needed to improve the environment.

In particular, complaints are pouring in about taxi operations. Sightseeing tours are expensive, incomplete, and plagued by allegations of extortion. Taxi drivers, then dhaba owners and the transportation system are being blamed for mistreatment of tourists.

Of course, some tourists spoil the environment, but what have we done to prevent this? However, under the guise of the tourism industry, various illegal activities are taking place, including drug abuse and illicit luxury. Numerous illegal B&B homestays, tent colonies, and tour operators are operating across the state. In such a situation, who will be responsible if any accident, fire, or natural disaster occurs?

See Everyone in the Context of the Universe: Albert Einstein's Message That Can Change Your Perception of Life

When you begin to see yourself not just as an individual, but in the context of the entire universe, you discover that a truth far greater, more important, and more beautiful than your personal concerns exists in this world. Human beings are only a small part of that vast entity we call the universe. Their existence is bound by the limitations of time and space. They experience themselves, their thoughts, and their feelings as separate from the rest of creation. This separation is actually an illusion of their consciousness. This illusion becomes an invisible prison, binding them to their personal desires, selfishness, and a love limited to only a few close ones. Our aim should be to free ourselves from this captivity. This is possible only when we expand our compassion and love. We must make our hearts so vast that they can accommodate not only our loved ones, but all living beings and the entire nature in all its beauty. Although no one can fully achieve this ideal, continually striving toward it is an important step toward freedom. The value of life is only realized when we connect ourselves to a greater purpose. So, instead of chasing success, strive to be valuable. Success may be fleeting, but value is lasting. A truly valuable person is one who strives to give back to society, humanity, and the world more than they receive from life. Create something that improves the world. Also, ensure that your creativity does not become a curse for humanity. Knowledge, science, and talent are meaningful only when they contribute to the well-being of humans and nature. When you begin to see yourself not just as an individual, but in the context of the entire universe, a deep voice arises within you. It reminds you that there exists in this world a truth far greater, more important, and more beautiful than your personal concerns.

West Bengal Politics: The Meaning of the Trinamool Congress's Disintegration in Just a Month...

Will Mamata Banerjee be able to rebuild her party's edifice, especially when the fragmentation has reached a new low? The answer is overwhelmingly no, given Mamata's advancing age and her inability to overcome her nepotism. It's only been a month since former Chief Minister Mamata Banerjee's party, the All India Trinamool Congress, lost the state assembly elections, but the way the party has disintegrated in these past thirty days is astonishing and a subject for political science scholars. Political parties often disintegrate after losing elections, but that too takes time. However, the TMC, considered "invincible" until just a month ago, has split into two MLAs, and its MPs could split at any time. This game of fragmentation has reached even lower levels. The BJP is believed to be behind this game of disintegration within the TMC, but the BJP is merely the instrument. What is happening also exposes how shaky the TMC was ideologically, organizationally, and committedly. In Bengal, once a center of political thought revolution, politics now means only the glue of power; this is being proven by the TMC's fate. In this situation, many questions are being raised. Will Mamata Banerjee, who until yesterday dreamed of becoming the leader of the opposition at the national level, be able to save her party in Bengal? Is nepotism the tragedy of every regional or caste-based party? Will the political decline of Mamata's party help the Congress's renewed rise at the national level, or will the Congress ultimately fall prey to this contradiction? And how much and how will the BJP's 'Bengal model' change the political map and nature of the country? Mamata Banerjee is a more combative leader than she is combative. Constant conflict and confrontation may garner applause, but they cannot create an image of a serious and trustworthy leader in the public's mind. Speaking of the Trinamool Congress (TMC), its ideology encompasses a secularism biased toward minorities, an insistence on Bengali language and identity, and a commitment to the country's all-round development, along with freebies and a welfare government. However, it is fundamentally driven by the calculus of gaining and maintaining power. Disillusionment with Mamata Banerjee's rule and the search for a new alternative: Mamata Banerjee came to power in 2011 by strongly opposing the transfer of people's land for industries and the then-Communist government. However, nothing more than a political ritual to cling to power in Bengal occurred. As a result, people grew disillusioned with Mamata Banerjee's rule and sought a strong alternative, which they found in the form of the BJP in the 2026 elections, and voters voted for it. Now, while Mamata Banerjee may continue to blame the BJP and the BJP's communalism, the truth is emerging. People's anger against the Mamata Banerjee government's misrule doesn't seem to be abating even after she was ousted from power. However, if the rebellion within the party continues unabated, a major reason for this is Mamata Banerjee's autocratic attitude and nepotism. This is the trap that nearly all regional and caste-based parties fall prey to, despite knowing that this tendency ultimately leads to their downfall. It's a different matter that such leaders don't want to read the writing on the wall. The split in Mamata's party was precipitated by her attempts to promote her nephew, Abhishek Banerjee, as her political successor starting in 2021. This sent a message to the average worker that he had no political future. Abhishek also began running the party in a dictatorial manner, while Mamata consistently ignored the growing internal discontent and discord within the party. The consequences were evident in this assembly election. Had she addressed the malady in time, perhaps the West Bengal election results could have been different. The most surprising thing is that even those Muslim MLAs, for whom Mamata Banerjee took the blame of appeasement, have left Mamata Banerjee's side, and this vote bank remains with Mamata Banerjee. Seventeen Muslim MLAs who won on TMC tickets are now with the rebel group. Ritubrata Banerjee, who led the 58 rebels to become the Leader of the Opposition in the West Bengal Assembly, is himself a former communist and former Rajya Sabha MP from the CPM. However, after character allegations against Ritubrata, the party expelled him. After that, Ritubrata joined the TMC and became a favorite of Mamata Didi. However, after Abhishek, his peer, received more attention, he chose the path of rebellion. It wouldn't be wrong to say that just as Mamata Banerjee, in alliance with the Congress, permanently ousted the Communists from power in the state for years in the 2011 assembly elections, a former Communist Party worker has avenged that defeat in his own way by splitting the TMC legislative party. Will the TMC be able to regain its strength? The question now is whether Mamata will be able to rebuild her party as strong as before, especially when the breakdown has reached a new low? The answer is overwhelmingly no, given Mamata's advancing age and her inability to overcome her nepotism. In any case, the BJP will leave no stone unturned to establish its foothold at every level in the state in the coming five years. Third, Mamata's silence on the blatant atrocities against minority Hindus in Bangladesh during the Yunus government has been a source of concern.

Bengali Hindus were also outraged, and for perhaps the first time, Hindutva ideology has so deeply dominated Bengali identity. This is now difficult to change. Consequently, only those loyal to Mamata Banerjee will remain with the TMC. This means that the TMC will remain, albeit in a limited opposition role. The rest will join the ruling party. It would be premature to predict the extent to which the Congress will benefit from the TMC's decline in the state, or whether the Communists will find a new lease on life. It is certain that the Congress will no longer value Mamata Banerjee. She may also bargain more aggressively in seat-sharing in the upcoming elections. Her chances of leading the national opposition have also been dashed. This means that the leadership of the opposition will remain in the hands of Rahul Gandhi. The Left's position in the state may improve, but widespread acceptance is now unlikely. The most interesting aspect here is the BJP's "West Bengal Model." Before the state assembly elections, I wrote in this column that whatever the election results, the BJP's Bengal Model will be completely new. And that is precisely what is happening. Some people have been linking this to the "Maharashtra model" of power, but that's not true. In Maharashtra, the BJP split other regional parties to gain power in the state, but in Bengal, since it already has a strong majority, the real motive behind splitting the TMC is to increase its strength in Parliament, not in the state. This is a case of "eyes on one thing, aiming at another." It's believed that after the split, the TMC's 29 Lok Sabha MPs could also split. If even 20 MPs break away, they could form a separate faction and merge with the BJP. This would increase the BJP's number of MPs in the Lok Sabha from 240 to 260. The remaining 12 could also be accommodated through other tactics. The party could achieve a majority on its own, having currently relied on its NDA allies to run the government. Moral questions will undoubtedly arise over this entire exercise, but since the BJP practices practical politics under an ideological cloak, it prioritizes the end over the means. Now, to oust BJP from West Bengal, a new 'political incarnation' will be needed; when and how it will be born is a matter of future.

शॉर्ट सर्किट से जैकेट के कारखाने में लगी भीषण आग, कारोबारी के भाई ने दूसरी मंजिल से कूदकर बचाई जान

अमरोहा के नौगावां सादात में जैकेट कारखाने में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आए कारोबारी के भाई ने दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाई। दमकल की टीम ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। नौगावां सादात में सोमवार भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि में ले लिया और देखते ही देखते आग की लपटें भाई ने किसी तरह दूसरी मंजिल से कूदकर जान नजारा देखकर लोग दहशत में आ गए। मौके पर पहुंची घंटे की कड़ई मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राख हो गया। लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा राशिद, मोहम्मद साजिद व मोहम्मद माजिद नौगावां मोहल्ला पनिहारी में किराए के मकान में पिछले लगभग इमारत वाजिद हुसैन की है। जिसके नीचे दुकानें बनी कारखाना चलता है।सीजन से पहले स्टॉक के लिए के अलावा कारखाने में बड़ी संख्या में तैयार जैकेट रखी साजिद अली मौजूद थे, जो वहीं सो रहे थे। अचानक विकराल रूप ले लिया। आग की तपिश और धुएं के

रात जैकेट कारखाने में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक कुछ ही मिनटों में उसने पूरे कारखाने को अपनी चपेट आसमान तक उठने लगीं। लपटों में घिरे कारोबारी के बचाई।आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। दमकल की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से चार अग्निकांड में कारखाने में रखा कच्चा-पक्का जलकर है।नौगावां तगा गांव निवासी मोहम्मद आशिक, मोहम्मद सादात के बिजनौर रोड स्थित कोतवाली के निकट 15 वर्षों से जैकेट निर्माण का कार्य करते हैं। यह हुई हैं जबकि दूसरी मंजिल पर बने हॉल में जैकेट कारीगर कारखाने में काम कर रहे हैं तथा कच्चे माल हुई थीं। सोमवार रात करीब 10ः30 बजे कारखाने में शॉर्ट सर्किट से उठी चिंगारी ने कुछ ही देर में आग का कारण साजिद अली की नींद खुली, जिसके बाद उन्होंने किसी तरह शोर मचाते हुए दूसरी मंजिर से कूदकर अपनी जान बचाई। इस दौरान आसपास के क्षेत्र में भी दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। आग की लपटें देखकर मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही कारखाने के मालिक आशिक अली भी मौके पर पहुंच गए। वहीं, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नौगावां सादात, मंडी धनौरा और अमरोहा से दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से करीब चार घंटे तक कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कारखाने में रखा रॉ मटेरियल, सिलाई मशीनें, इनवर्टर, बैटरियां, तैयार जैकेट और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस अग्निकांड में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। मामले में सीओ अवधभान भदौरिया ने बताया कि आग लगने का कारण प्राथमिक रूप से शॉर्ट सर्किट पाया गया है। राहत की बात यह है कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। कारखाने में फायर एनओसी और अग्निशमन उपकरण मौजूद थे या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

तीन माह में गैस सिलेंडर पर दो बार में बढ़े 98 रुपये, गृहणियों का छलका दर्द

14.2 किग्रा. वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में तीन माह में दो बार 98 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। इसमे 69 रुपये और अब 29 रुपये बढ़ाए गए हैं। गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोत्तरी से महिलाओं में रोष है। उनका कहना है रसोई का बजट गड़बड़ा जाता है। रही और महंगाई बढ़ती जा रही है। की कीमतों में तीन माह में दो बार 98 रुपये और अब 29 रुपये बढ़ाए गए हैं। महिलाओं में रोष है। उनका कहना है रसोई का बजट गड़बड़ा जाता है। रही और महंगाई बढ़ती जा रही है। गैस सिलेंडर के दाम फरवरी 2026 में को सिलेंडर की कीमत 59 रुपये बढ़कर घरेलू सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये सिलेंडर अब 962.50 रुपये का मिलेगा। हजार रुपये का भी हो जाए भे वाला है जबकि, सरकार गरीबों को चीजों के बढ़ें, सिलेंडर के घटें दाम- रुपये का हिसाब जोड़कर गृहस्थी की

कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से उनकी महिलाएं बोलीं कि आमदनी बढ़ नहीं 14.2 किग्रा. वाले घरेलू गैस सिलेंडर रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। इसमे 69 गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोत्तरी से कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से उनकी महिलाएं बोलीं कि आमदनी बढ़ नहीं महिलाओं को खल रही बढ़ोतरी- घरेलू 876.50 पैसे थे इसके बाद 8 मार्च 2026 935.50 रुपये हो गई। अब 7 जून से की और बढ़ोत्तरी कर दी गई है जिससे महिलाएं का कहना हैं कि सिलेंडर 10 पूंजीपतियों को कोई फर्क नहीं पड़ने मुफ्त में सिलेंडर दे रही है। लक्जरी मध्यम वर्ग जोकि, पूरे महीने एक-एक गाड़ी खींचता है उसके लिए तीन माह में दो बार सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोत्तरी से परेशान हो जाएगा। बच्चों का तन पेट काटकर रसोई में सिलेंडर खरीद कर रखेगा। मांग है कि विलासिता की चीजों पर कीमतें बढ़ाकर गैस सिलेंडर पर सब्सिडी दी जा सकती है जिससे कि मध्यम वर्ग का परिवार भी दो जून की रोटी खा सके। खर्चों में कर रहे कटौती- अनीता यादव ने बताया कि एलपीजी गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतें मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई हैं। रसोई गैस महंगी होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और कई परिवारों को अपने मासिक खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। सपना शर्मा के मुताबिक सरकार जनता को राहत देने के काम करती है लेकिन, अब तो अति हो गई है। तेल, गैस, घी हर चीज पर महंगाई मनमर्जी से बढ़ाई जा रही है। जिसके कारण मध्यम वर्ग को बहुत परेशानी हो रही है। मध्यम वर्ग एक-एक रुपया गिनकर खर्च करता है। घर पर आ रहे मेहमान, बजट कर रहा परेशान- नगमा बी ने बताया कि महंगाई की मार से मध्यम वर्ग प्रभावित होता है, वोट देने के लिए कतारों में मध्यम वर्ग के परिवार खड़े होते हैं। उच्च वर्ग तो कतारों में खड़ा होना अपनी शान के खिलाफ समझता है। इसलिए मयम वर्ग को नहीं सताया जाना चाहिए। नेहा सक्सेना का कहना है कि गृहस्थी की गाड़ी महिलाओं को खींचना पड़ती है इन दिनों जून की छुट्टियां हैं और घरों पर मेहमान भरे हुए हैं। लोगों का जून की छुट्टियों में बजट गड़बड़ा जाता है। सिलेंडर के दाम बढ़ाकर मध्यम वर्ग को तीन माह में दूसरी बार चोट पहुंचाई गई है। सरकार को नहीं लोगों की चिंता- फायजा बी ने कहा कि सरकार से देश का हर नागरिक यह अपेक्षा करता है कि सरकार उन्हें कदम-कदम पर राहत देगी। महंगाई से मुक्ति मिलेगी लेकिन, सरकार को जनता की चिंता नहीं है। महंगाई बढ़ने का सीधा असर मध्यम वर्ग की रसोई पर पड़ता है। श्रद्धा अग्रवाल ने बताया कि सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह आम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाए और रसोई गैस को अधिक किफायती बनाए। आए दिन गैस के दाम बढ़ने से महिलाओं का धैर्य जवाब देने लगा है।

यूपी ITI एडमिशन में बेटियों को बंपर छूट! अब सिर्फ 100 में भर सकेंगी फॉर्म, जानें आवेदन की तारीख

आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जिसमें छात्राओं को केवल 100 रुपये शुल्क देना होगा। यह पहल तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से की गई है।राज्य (एससीवीटी) ने सत्र 2026-27 के लिए (आईटीआई) में प्रवेश के लिए अधिसूचना बताया कि इसके तहत राजकीय और निजी आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होने की को आवेदन शुल्क में विशेष राहत दी गई है। लिए केवल 100 रुपये शुल्क देना होगा। अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये तथा अनुसूचित के लिए 250 रुपये शुल्क निर्धारित किया और अभ्यर्थियों का चयन आठवीं व हाईस्कूल अभ्यर्थियों को संस्थान चयन के तीन विकल्प आईटीआई एवं पीपीपी माडल संस्थान, दूसरे में राजकीय व निजी दोनों प्रकार के संस्थानों के तहत राजकीय आईटीआई और पीपीपी पर संबंधित जिले के अभ्यर्थियों को शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के

व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों जारी कर दी है। प्राचार्य संजीव जैन ने आईटीआई में प्रवेश के लिए इसी माह संभावना है। नई व्यवस्था में छात्राओं सभी वर्गों की छात्राओं को आवेदन के वहीं सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों गया है।प्रवेश प्रक्रिया आनलाइन होगी की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। दिए जाएंगे। पहले विकल्प में राजकीय में केवल निजी आईटीआई और तीसरे का चयन कर सकते हैं। नई व्यवस्था माडल संस्थानों की 75 प्रतिशत सीटों प्राथमिकता दी जाएगी।व्यावसायिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बच्चों को प्रवेश मेरिट में 10 अतिरिक्त अंक का लाभ मिलेगा। वहीं राज्य स्तर के खिलाड़ियों को तीन अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर- जिले में सत्र 2025-26 के दौरान सरकारी और निजी आईटीआई में कुल 4,728 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। इनमें 663 छात्राएं और 4,065 छात्र शामिल रहे। छात्राओं की अपेक्षाकृत कम संख्या को देखते हुए सरकार ने आवेदन शुल्क में विशेष छूट का निर्णय लिया है, ताकि अधिक से अधिक बेटियां तकनीकी शिक्षा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। आईटीआई में छात्राओं के लिए फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलाजी, कास्मेटोलाजी, स्टेनोग्राफी, कंप्यूटर आपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा), ड्रेस मेकिंग, सचिवीय कार्य, हेल्थ सैनिटरी इंस्पेक्टर समेत कई रोजगारपरक ट्रेड संचालित हैं।

संक्षिप्त समाचार

सात किलो सोने के जेवरों के साथ तीन लोग पकड़े, नेपाल भागने की फिराक में थे, तेलगांना से की थी चोरी

बिलासपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान तेलंगाना से चोरी किया गया करीब सात किलो सोने और चांदी के गहने बरामद

किए है। नेपाली मूल के पति-पत्नी और उनकी साली को गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी के जेवरात नेपाल ले जाने की फिराक में थे।बिलासपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान तीन लोगों को करीब सात किलो सोना, एक किलो चांदी पकड़ी है। आरोपियों ने तेलंगाना से सोने की चोरी की थी और नेपाल लेकर जा रहे थे। पुलिस ने नेपाली मूल के पति, पत्नी और साली को गिरफ्तार किया है।तेलंगाना पुलिस को सूचना दे दी गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तेलंगाना से चोरी किया सोना और चांदी लेकर तीन लोग नेपाल भागने की फिराक में हैं। तेलंगाना पुलिस ने आरोपियों की मोबाइल लोकेशन भी उपलब्ध कराई थी।इस आधार पर पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस ने एक बस को चेकिंग के लिए रोका। चेकिंग के दौरान तीन आरोपियों से सात किलोग्राम सोना और एक किलोग्राम चांदी बरामद की है।एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी कमल शाही, उसकी पत्नी विमला शाही और साली कल्पना शाही तेलंगाना में एक व्यापारी के वहां काम करते थे। उन्होंने वहां से सोना चुराया था। पुलिस ने इनपुट के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। तीनों नेपाल रहने वाले हैं। तेलंगाना पुलिस को भी सूचना दे दी गई है।

कार की छत पर बैठाकर बनाई रील, वीडियो वायरल हुआ तो भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

सोशल मीडिया पर वायरल होने और अधिक व्यूज व लाइक पाने की होड़ में लोग अपनी जान जोखिम में डालने से भी नहीं चूक रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से

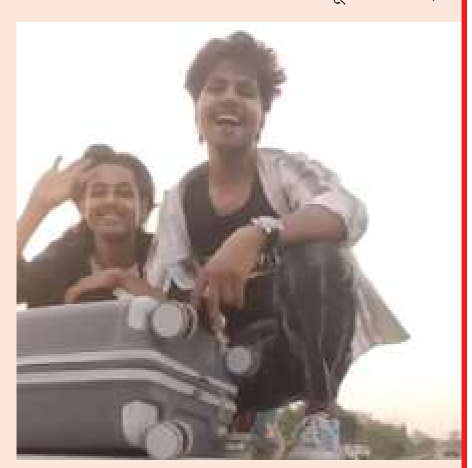

वायरल हो रहा है, जिसमें यूट्यूबर उस्मान भारती निवासी थाना भोजपुर कुछ लोगों को कार की छत पर बैठाकर सफर कराते हुए दिखाई दे रहा है।कार में जगह नहीं तो छत पर बैठे- वायरल वीडियो में उस्मान भारती यह कहते हुए सुनाई दे रहा है कि वह एक कार्यक्रम में जा रहे हैं, लेकिन कार के अंदर बैठने की जगह नहीं है, इसलिए कुछ लोगों को कार की छत पर बैठा दिया गया है। वीडियो में चलती कार की छत पर बैठे लोग साफ दिखाई दे रहे हैं, जो सड़क सुरक्षा नियमों का खुला उल्लंघन है।व्यूज के लिए जान हथेली पर- बताया जा रहा है कि यह वीडियो मुरादाबाद जनपद का है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसकी आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना हरकत बताया है। लोगों का कहना है कि कुछ व्यूज और लाइक हासिल करने के लिए इस तरह की रील बनाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे किसी भी समय बड़ा हादसा भी हो सकता है। जांच के बाद कार्रवाई होगी- स्थानीय लोगों ने प्रशासन और यातायात विभाग से मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि इस तरह के खतरनाक स्टंट और रील बनाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सके। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि उक्त मामला अभी मेरे संज्ञान में नहीं है। मामले की जानकारी प्राप्त कराई जाएगी। यदि कोई तथ्य सामने आते हैं तो उसकी जांच कराकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आईजीआरएस निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र का जलवा, यूपी में बना बरेली नंबर-1

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समाधान प्रणाली (IGRS) के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में माह मई-2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र ने उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर परचम लहराया है।

माह मई-2026 की रैंकिंग में परिक्षेत्र के जनपद बरेली, बदायूँ और शाहजहाँपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया, जबकि जनपद पीलीभीत को 28वां स्थान प्राप्त हुआ।

जन शिकायतों के निस्तारण में बेहतर कार्य का परिणाम रहा कि बरेली परिक्षेत्र के कुल 61 थानों ने भी संयुक्त रूप से प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इनमें बरेली जनपद के 25 थाने, बदायूँ के 12 थाने, पीलीभीत के 6 थाने तथा शाहजहाँपुर के 18 थाने शामिल हैं।

डीआईजी अजय कुमार साहनी ने इस उपलब्धि पर आईजीआरएस शाखा में कार्यरत कर्मियों की सराहना करते हुए उत्कृष्ट योगदान देने वाले उ0नि0 शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार एवं आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पुलिस की प्राथमिकता है। जिन जनपदों एवं थानों का प्रदर्शन अपेक्षानुसार संतोषजनक नहीं रहा है, उनके कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जनसुनवाई में उमड़ा जनसैलाब, 520 आवेदनों पर कलेक्टर ने की सुनवाई

खाद संकट से लेकर आर्थिक सहायता तक, कई मामलों का मौके पर हुआ समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिला मुख्यालय पर आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को सैकड़ों नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 520 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष प्रकरणों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।जनसुनवाई में किसानों ने खाद की उपलब्धता को लेकर अपनी समस्याएं रखीं। विशेष रूप से कोलारस क्षेत्र के कुलहड़ीपुर से पहुंचे किसानों ने खाद की कमी की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जरूरतमंदों को मिली राहत जनसुनवाई के दौरान प्रशासन का संवेदनशील चेहरा भी देखने को मिला। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने नगर परिषद कोलारस निवासी श्रीमती विजय बाई जाटव को अनुग्रह सहायता योजना के तहत 2 लाख रुपये की सहायता राशि का स्वीकृति पत्र प्रदान किया।वहीं अपनी बीमार बच्ची के इलाज के लिए सहायता मांगने पहुंचे नीरज सेन की समस्या सुनकर कलेक्टर ने तत्काल रेडक्रॉस से 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की तथा स्वास्थ्य विभाग को बच्ची के लिए आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश-कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य का समयबद्ध समाधान करना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।जनसुनवाई में एक ओर किसानों की समस्याओं पर गंभीरता दिखाई गई, वहीं जरूरतमंद परिवारों को तत्काल राहत देकर प्रशासन ने संवेदनशीलता का भी परिचय दिया।।

पुलिस अधीक्षक की जनसुनवाई में जमीनी विवाद सहित 100 से अधिक शिकायतें सुनीं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम शिवपुरी में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 100 से अधिक फरियादियों ने अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए।

पुलिस अधीक्षक ने प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा।जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीनी विवाद, गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश, घरेलू हिंसा, धोखाधड़ी तथा पुलिस कार्रवाई से असंतुष्टि से जुड़े मामले सामने आए। इन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए संबंधित थाना प्रभारियों एवं जांच अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती भूटिया ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य पीड़ितों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान सीएसपी शिवपुरी संजय चतुर्वेदी, शहर के सभी थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कौशल के मंच पर दिखा युवाओं का हुनर, बरेली में लगी प्रदर्शनी

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कौशल प्रदर्शनी व संगोष्ठी का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीबीगंज में कौशल प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मीरगंज विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, छष्ठ-त्तचङ्ख एवं आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रशिक्षण केंद्रों के अभ्यर्थियों ने कौशल प्रदर्शनी लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही गीत, नाटक व संवाद के माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा ने सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिव कुमार शर्मा, अवनीश कुमार, रुद्र प्रताप सिंह सहित संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन विजय पाल सिंह ने किया ।

कलेक्टर ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सुरक्षा एवं पारदर्शिता की हुई समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। आगामी निर्वाचन प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पित वर्मा ने मंगलवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वेयरहाउस का सीलबंद ताला राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला गया। कलेक्टर ने ईवीएम मशीनों की सुरक्षा, भंडारण एवं रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण पूर्ण होने के बाद सभी प्रतिनिधियों की निगरानी में वेयरहाउस को पुनः विधिवत सीलबंद किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर जे.पी. गुप्ता सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने निरीक्षण के दौरान ईवीएम मशीनों की सुरक्षा, गोपनीयता और संरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सुनिश्चित किया कि मशीनें निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित रखी गई हैं।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम वेयरहाउस का प्रत्येक माह नियमित निरीक्षण किया जाता है, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और आमजन का विश्वास मजबूत हो।

आई क्रस्ट स्टोर के मालिक आशुतोष अग्रवाल के घर ईडी का छापा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बरेली के बिजनेसमैन आशुतोष अग्रवाल के घर छापा मारा है। मंगवार को ईडी की टीम मारवाड़ीगंज स्थित आशुतोष अग्रवाल के घर पहुंची और यहां जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने घर के दरवाजे बंद कर लिए और सभी सदस्यों के मोबाइल फोन, फिलहाल के लिए अपने कब्जे में ले लिए। ब्राडबैंड और लैंडलाइन कनेक्शन भी काट दिया। आशुतोष अग्रवाल, सिविल लाइंस स्थित आई क्रस्ट स्टोर के मालिक हैं। कई जगहों पर छापेमारी प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने मंगलवार को यूपी, दिल्ली और पंजाब में कम से कम छह ठिकानों पर छापेमारी की है। इसमें दिल्ली-नोएडा, लुधिया, जालंधर और बरेली शामिल हैं। कंपनी यहां कारोबियों की कंपनियों का वित्तीय लेनदेन जांच रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को एक टीम बरेली पहुंची और यहां आशुतोष अग्रवाल के ठिकानों पर जांच शुरू की। सुबह से ईडी की टीम जांच में जुटी है और किसी भी व्यक्ति को घर के अंदर-बाहर आने-जाने की अनुमति नहीं है। हालांकि, ईडी की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल ईडी की कार्रवाई जारी है और संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का दूसरा दिन: अभ्यर्थियों के सैलाब से सड़कें जाम, परीक्षा छूटते ही उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को जिले के 19 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा संपन्न हुई। सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें नजर आईं। त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। परीक्षा समाप्त होने के बाद केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों का हुजूम उमड़ पड़ा, जिससे कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। प्रशासन और पुलिस अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष और नकलविहीन कराने के लिए सभी केंद्रों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं। पहले दिन 17,472 अभ्यर्थियों में से 13,263 ने परीक्षा दी, जबकि 4,209 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

साइबर सेल की बड़ी सफलता: 5.46 लाख रुपये की ठगी राशि पीड़ित को लौटाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिवपुरी साइबर सेल को बड़ी सफलता मिली है। साइबर ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति के बैंक खाते से निकाली गई 5 लाख 46 हजार 316 रुपये की पूरी राशि पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के बाद वापस कराई गई।

जानकारी के अनुसार पोहरी निवासी प्रवीण वर्मा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात साइबर ठगों ने उनके बैंक ऑफ महाराष्ट्र खाते से 5.46 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के मार्गदर्शन में साइबर सेल ने जांच शुरू की।जांच में पता चला कि ठगी की राशि विभिन्न बैंकों के खातों में ट्रांसफर की गई थी। साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेंद्र सिंह जाट एवं उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित खातों में राशि होल्ड कराई। बाद में न्यायालयीन आदेश एवं संबंधित बैंकों के समन्वय से पूरी 5 लाख 46 हजार 316 रुपये की राशि पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। राशि वापस मिलने पर फरियादी प्रवीण वर्मा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस एवं साइबर सेल टीम का आभार व्यक्त किया। साइबर अपराध से बचाव के लिए पुलिस की सलाह- पुलिस ने नागरिकों से आधार बायोमेट्रिक लॉक करने, फर्जी लोन एप डाउनलोड न करने, क्क्य फाइल न खोलने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने, निजी जानकारी और ओटीपी साझा न करने की अपील की है।

साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा शिवपुरी साइबर सेल के हेल्पलाइन नंबर 7049123706 और 7049123288 पर संपर्क करने की सलाह दी गई है।

सिलेंडर से आग लगे तो कैसे बचाएं? नागरिक सुरक्षा ने दी अग्नि सुरक्षा की सीख

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, । मुख्यमंत्री के निर्देशों एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को प्रभाग-अलखनाथ के अशोका गार्डन, थाना प्रेमनगर क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी सुरक्षा, आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय और सीपीआर (कृत्रिम श्वसन) की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण उप नियंत्रक राकेश कुमार मिश्र एवं सहायक उप नियंत्रक प्रमोद कुमार डागर ने दिया। उन्होंने सिलेंडर में आग लगने पर उसे नियंत्रित करने के तरीकों के साथ आपात स्थिति में जीवन बचाने के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डिवीजनल वार्डन अजय अग्रवाल, डिप्टी डिवीजनल वार्डन हरीश, सेक्टर वार्डन शंकर लाल शर्मा सहित नागरिक सुरक्षा के अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

चोरी की घटना को अंजाम देने वालों को मुगलपुरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / थाना मुगलपुरा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 68/26 धारा 306/317(2)/3(5) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी की घटना का अनावरण कर अभियुक्तों को मय माल के किया गिरफ्तार वादी मुकदमा श्री अब्दुल अजीज पुत्र मौ0 असद जमाल निवासी जकरीया हाउस पीरगैब थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद के द्वारा उसके घर से सोने व डायमण्ड के आभूषण चोरी के सम्बन्ध में घर की केयर टेकर 1. (काल्पनिक नाम) कु0 रेहाना पुत्री मौ0 साबिर 2. बाईस्तवा अभियुक्ता श्रीमती अंजरी खातून उर्फ फातिमा पत्नि मौ0 साबिर निवासीगण घर सरवेला पोस्ट सरवेला, वार्ड 09 सरवेला पोस्ट आफिस, सीमरी बख्तीयार पुर, सिमरी बख्त्यारपुर, सहरसा (बिहार) के विरूद्ध थाना हाजा पर मु0अ0सं0-068/2026 धारा 306 बीएनएस पंजीकृत कराया गया था। जिसकी विवेचना उ0नि0 श्री मयंक शर्मा के द्वारा सम्पादित की गयी। मुकदमा उपरोक्त में नियमानुसार कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व माल बरामदगी हेतु श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय, मुरादाबाद के द्वारा दिये गये निर्देशानुसार, श्रीमान पुलिस अधीक्षक नगर महोदय के मार्ग निर्देशन व श्रीमान क्षेत्राधिकारी कोतवाली नगर महोदय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक श्री के0के0 राणा के नेतृत्व में टीम तैयार कर विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए साक्ष्य संकलन किया गया। साक्ष्य संकलन से मुकदमा उपरोक्त में (काल्पनिक नाम) कु0 रेहाना पुत्री मौ0 साबिर व श्रीमती अंजरी खातून उर्फ फातिमा पत्नी मौ0 साबिर उपरोक्त की घटना में पूर्ण संलिप्तता पायी गयी तथा तीसरे अभि0 मौ0 साबिर पुत्र मौहसीन निवासीगण ग्राम सरबेला पोस्ट सिमरी बख्तीयारपुर थाना बनमा इटहरी

जिला सहरसा बिहार की भी संलिप्तता पाये जाने पर नाम प्रकाश में आया व कु0 रेहाना (काल्पनिक नाम) की आयु 14 वर्ष नाबालिग होना पायी गयी। तथा अभियुक्तगण की गिफ्तारी व माल बरामदगी हेतु चलाये गये संघन चैकिंग अभियान के दौरान दिनांक 07.06.2026 को अभियुक्तगण 1. (काल्पनिक नाम) कु0 रेहाना पुत्री साबिर (नाबालिग), 2. अंजरी खातून उर्फ फातिमा पत्नी साबिर, 3. साबिर पुत्र मौहसीन निवासीगण ग्राम सरबेला पोस्ट सिमरी बख्तीयार पुर थाना बनमा इटहरी जिला सहरसा बिहार को मय चोरी गये माल के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व साक्ष्य के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2)/3 (5) बीएनएस की वृद्धि की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम पता 1. कु0 रेहाना (काल्पनिक नाम) पुत्री साबिर (नाबालिग) नि0 ग्राम सरबेला पोस्ट सिमरी बख्तीयार पुर थाना बनमा इटहरी जिला सहरसा बिहार उम्र 14 वर्ष 2. अंजरी खातून उर्फ फातिमा पत्नी साबिर निवासी ग्राम सरबेला पोस्ट सिमरी बख्तीयार पुर थाना बनमा इटहरी जिला सहरसा बिहार उम्र 45 वर्ष 3. साबिर पुत्र मौहसीन निवासी ग्राम सरबेला पोस्ट सिमरी बख्तीयार पुर थाना बनमा इटहरी जिला सहरसा बिहार उम्र 51 वर्ष बरामदगी 01 गोलाकार पीली धातु का टुकडा वजन 86 ग्राम (चोरी हुए आभूषणों को गलाकर बनाया गया) बरामद 01 कान का पीली धातु का एक टाप्स 01 पीली धातु का चैन सैट लाकेट सहित अपराध करने का तरीका अभि0 साबिर उपरोक्त की दो पत्नियां है जिनमें से एक का नाम अंजरी खातून उर्फ फातिमा व दूसरी का नाम श्रीमती नूर जहां है। अभियुक्त साबिर उपरोक्त के कुल 11 बच्चे है जिनमें से 5 नाबालिग बच्चे है जिनको वह अलग अलग लोगो के यहां केयर टेकर आदि के रूप में काम पर लगाता है तथा उनके माध्यम से घरो से आभूषण, नकदी व किमती सामान चोरी कराता है। इसी क्रम में अभि0 साबिर उपरोक्त के द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री कु0 रेहाना (काल्पनिक नाम) को वादी मुकदमा श्री अब्दुल अजीज उपरोक्त के घर में उनकी माता की देखभाल हेतु रखवाया था और उससे चोरी कराकर स्वयं व अपनी पत्नी अंजरी खातून उर्फ फातिमा उपरोक्त के साथ चोरी के माल को इधर उधर बेच देते है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1. उ0नि0 मयंक शर्मा 2. म0उ0नि0 रानी सिंह 3. म0हे0का0 997 अमरिता 4.हे0का0749 अमित कुमार 5. का0 1347 वीरेन्द्र कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस

मिठाई की दुकान में भड़की आग, लाखों रुपये का नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज में आईटीआर मार्केट स्थित मिठाई की दुकान में मंगलवार सुबह शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। इससे आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। सूचना पर फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। पीड़ित के मुताबिक आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

सीबीगंज थाने के ठीक बराबर में आईटीआर कालोनी गेट पर आईटीआर मार्केट में गौरव अग्रवाल की नारायण स्वीट्स एवं कंफेक्शनरी नाम से दुकान है। गौरव अग्रवाल ने बताया कि वह रोजाना की तरह सोमवार रात अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। मंगलवार सुबह करीब सवा छह बजे उधर से निकले लोगों ने दुकान से धुआं व आग की लपटें निकलती देखी। सूचना पर वह मौके पर पहुंचे। थाने से पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने दुकान का शटर तोड़कर आग बुझाई। घटना से आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। गौरव अग्रवाल ने बताया कि इस घटना में लाखों रुपयों का माल जलकर राख हो गया है। आग कैसे लगी इसमें अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। फिलहाल प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट वजह बताई गई है।

रात में इंद्रा मार्केट में कपड़े की दुकान में लगी थी आग-शहर के इंद्रा मार्केट में रेडीमेड कपड़े की दुकान में सोमवार रात आग भड़क गई। दमकल टीम ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। एफएसओ संजीव कुमार ने बताया कि रात दस बजे करीब मार्केट बंद होने के बाद इस दुकान में आग लग गई। इसकी सूचना स्थानीय दुकानदारों ने फायर ब्रिगेड को दी।

मौके से टीम पहुंची और थोड़ी ही देर में आग पर काबू पा लिया। दुकान में रेडीमेड कपड़े भरे थे जो जलकर नष्ट हो गए। दुकान में आग लगने की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। हालांकि शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा लग रहा है। दुकान आजमनगर निवासी शोएब की बताई जा रही है।

झाड़ी वाले बाबा के विशाल भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद- डिलारी/ जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी क्षेत्र के ग्राम चंद्रपुर मुस्ताबाद मौजा में मंगलवार को झाड़ी वाले बाबा के धाम पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बाबा के दरबार में माथा टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालु क्षेत्र के गांव चांदपुर, सुल्तानपुर खादर, चावड़, गोपालपुर, बहादुरपुर खादर, वीरूवाला, तिगरी,आलियाबाद, करनपुर, नयागांव, कासमपुर, आदि गांव के श्रद्धालु बाबा के आश्रम पहुंचे।

श्रद्धालुओं ने बताया कि झाड़ी वाले बाबा का यह धाम प्राचीन समय से आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। दूर-दराज क्षेत्रों से भक्त हर वर्ष अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पहुंचते हैं और बाबा के दर्शन कर भंडारे में शामिल होते हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि सच्ची श्रद्धा से की गई प्रार्थना बाबा के आशीर्वाद से पूर्ण होती है।भंडारे के आयोजन से पूर्व तीन दिनों तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रामायण पाठ और भक्ति-कीर्तन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ था, जिसका समापन मंगलवार को विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुआ। पूरे आश्रम परिसर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला और श्रद्धालुओं ने बड़े उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। इस दौरान सेवा समिति के पदाधिकारियों ने आश्रम तक पहुंचने वाले मार्ग की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि झाड़ी वाले बाबा के आश्रम तक लगभग चार किलोमीटर लंबा कच्चा रास्ता है, जिस पर आवागमन के दौरान श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बरसात और खराब मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे कई श्रद्धालु चोटिल भी हो जाते हैं।सेवा समिति ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए आश्रम तक पक्के मार्ग का निर्माण कराया जाए, ताकि आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो और क्षेत्र के धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके।भंडारे के सफल आयोजन में सेवा समिति के सदस्यों, ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन बाबा के जयकारों और प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान रविंद्र पाल सिंह ग्राम प्रधान चंद्रपुरा, छोटे सिंह सैनी, भगवान दास सिंह पाल, करन सिंह पाल, मास्टर लाल सिंह चौहान,नोबाहर सिंह चौहान, सुखबीर सिंह आचार्य, सुखराम सिंह कश्यप, धर्मपाल सिंह सैनी, गिरीश कुमार दिवाकर, चुन्नू सिंह सागर, राम रतन सिंह सैनी, राजेंद्र सिंह चौहान, आदि सम्मानित भक्तगण मौजूद रहे।

मुरादाबाद: साहब! उसने शादी नहीं की... जहर खाकर थाने पहुंची लिव-इन पार्टनर की मौत, FCI इंस्पेक्टर गिरफ्तार

मुरादाबाद में शादी से इनकार पर एक युवती ने जहर खाकर जान दे दी। वह पांच साल से एफसीआई के चीफ मार्केटिंग इंस्पेक्टर प्रभात सक्सेना के साथ लिव-इन में रह रही थी। युवती ने जहर खाने के बाद मझोला थाने पहुंचकर पुलिस को बताया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। आरोपी प्रभात सक्सेना को हिरासत में ले लिया गया है ।परिवार हिमगिरी कालोनी में रहता, युवती के साथ नया मुरादाबाद में लिव-इन में था आरोपितभारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) के चीफ मार्केटिंग इंस्पेक्टर प्रभात सक्सेना के साथ पांच साल से लिव-इन में रह रही पाकबड़ा की युवती ने शादी के इन्कार के बाद जहरीला पदार्थ खा लिया। जहर खाकर युवती मझोला थाने पहुंची और बोली साहब उसने मुझसे शादी नहीं की मैंने जहर खा लिया। पुलिस ने युवती को दिल्ली रोड स्थित साईं अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। आरोपित दो बच्चों का पिता और युवती से उम्र में करीब 20 वर्ष बड़ा है।

पुलिस ने युवती के पिता के शिकायती पत्र पर आरोपित प्रभात सक्सेना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कर हिरासत में ले लिया है। दो दिन पहले भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। सिविल लाइंस क्षेत्र के हिमगिरी निवासी प्रभात सक्सेना की वर्तमान तैनाती मेरठ में है। करीब सात साल पहले इसकी मुलाकात पाकबड़ा के एक मुहल्ला निवासी युवती से हुई। युवती बीए पास है।इसने वर्ष 2020 में शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया था। मामला पुलिस तक पहुंचा था। उसके बाद आरोपित ने युवती को अपने पास बुला लिया और नया मुरादाबाद में एक कमरा किराये पर लेकर लिव-इन में रहने लगा। इसकी जानकारी प्रभात के परिवार को भी हो गई थी, लेकिन इसके बाद भी दोनों लिव-इन में रह रहे थे।कुछ दिनों से युवती प्रभात पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसी के चलते दोनों के बीच विवाद होने लगा। शनिवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद युवती थाने पहुंच गई थी। पुलिस ने आरोपित को भी थाने बुलाया और दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। सोमवार को आरोपित ने युवती से शादी करने की बात कही थी, लेकिन जब शादी नहीं की तो करीब तीन बजे युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया।जहर खाकर युवती सीधे मझोला थाने पहुंची और पुलिस से बोली उसने मुझसे शादी नहीं की। इसलिए मैंने जहर खा लिया। यह सुनकर पुलिस तुरंत दिल्ली रोड स्थित साईं अस्पताल लेकर पहुंची। जहां उपचार के दौरान रात करीब नौ बजे उसकी मौत हो गई। जानकारी पर युवती के स्वजन भी पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।स्वजन ने तोड़ दिया था नाता, युवती ने मुकदमा लिया था वापसवर्ष 2020 में युवती ने प्रभात सक्सेना पर पाकबड़ा थाने में दुष्कर्म की धाराओं में प्राथमिकी लिखाई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आरोपित ने युवती से शादी करने की बात कहते हुए समझौता कर लिया था।

इसके बाद युवती ने अपने बयान बदल दिए थे और प्राथमिकी में एफआर लग गई थी। तभी से आरोपित युवती के साथ लिव-इन में रह रहा था। युवती के स्वजन उसे समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह इसी के साथ शादी करने के लिए अड़ी हुई थी। इसी के चलते परिवार ने भी युवती से नाता तोड़ दिया था।युवती मार्केटिंग इंस्पेक्टर के साथ लिव-इन में थी। जब वह थाने पहुंची तो उसने खुद बताया कि मैंने जहरीला पदार्थ खा लिया है। पुलिस ने युवती को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। - कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

संक्षिप्त समाचार

आंवला पुलिस ने ट्रॉली चोरी का किया खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना आंवला पुलिस ने ट्रॉली चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई ट्रॉली व घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम दरावनगर निवासी हरिप्रकाश पाठक ने 09 जून को अपनी ट्रॉली चोरी होने की सूचना दी थी, जिस पर थाना आंवला में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम को खुलासे के लिए लगाया गया था।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों की जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मनौना-बिसौली रोड पर घेराबंदी की। इस दौरान चोरी की ट्रॉली को ट्रैक्टर से ले जा रहे दो आरोपियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनमोल दीक्षित (21 वर्ष) निवासी लालूपुर थाना सिकन्दरपुर वैश्य जनपद कासगंज और सचिन यादव (22 वर्ष) निवासी दरावनगर थाना आंवला जनपद बरेली के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि सचिन यादव ने कम कीमत में ट्रॉली दिलाने का लालच देकर अनमोल को साथ लिया और योजना बनाकर 4 जून की रात ट्रॉली चोरी कर ली थी। बाद में बेचने के उद्देश्य से ले जाते समय पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक नरेंद्र कुमार सहित थाना आंवला पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

नसबंदी के दावे फेल : शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बेलगाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्मार्ट सिटी की गलियों में आवारा कुत्तों के झुंड लोगों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। आए दिन कुत्तों के हमले से लोग घायल हो रहे हैं, बच्चों और बुजुर्गों तक को निशाना बनाया जा रहा है। नगर निगम ने कुत्ता नियंत्रण अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च किए और 11,864 कुत्तों की नसबंदी का दावा भी किया, लेकिन जमीन पर हालात जस के तस हैं। शहर के कई इलाकों में कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कुत्ता नियंत्रण के लिए काम कर रही संस्था की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। जिला अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में लोग एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। हाल ही में कर्मचारी नगर में बुजुर्ग महिला और सीबीगंज में बच्ची पर हुए हमले ने निगम की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगर निगम का पशु चिकित्सा विभाग अब नसबंदी अभियान में तेजी लाने की बात कह रहा है, लेकिन शहरवासी जल्द ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

ग्रेट निकोबार भूमि मामले पर कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान , पर्यावरण संरक्षण की उठाई मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को ईदगाह गेट, वाकरगंज में महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में ग्रेट निकोबार द्वीप

भूमि मामले को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित परियोजना से पर्यावरण और जैव विविधता को नुकसान पहुंच सकता है। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों और वन क्षेत्रों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने मांग की कि किसी भी विकास परियोजना से पहले पारदर्शी पर्यावरणीय आकलन और स्थानीय लोगों की सहमति सुनिश्चित की जाए। डॉ. सरताज हुसैन ने बताया कि अभियान के माध्यम से जनता को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है और एकत्रित हस्ताक्षर केंद्र सरकार व संबंधित अधिकारियों को भेजे जाएंगे। कार्यक्रम में पंडित राज शर्मा, रमेश चंद श्रीवास्तव, सुरेश दिवाकर, जीशान अफरीदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी योजनाओं का महासंगम: 14 से 16 जून तक बरेली के ब्लॉकों में लगेंगे जन-कल्याण शिविर व स्वास्थ्य मेले

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद के सभी विकास खण्डों में 14 से 16 जून तक त्रि-दिवसीय जन-कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी देवयानी ने अधिकारियों को मेले की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। शिविर सुबह 10 बजे से आयोजित होंगे, जिनकी जिम्मेदारी खण्ड विकास अधिकारियों को सौंपी गई है। मेले में आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम सूर्यघर, पीएम स्वनिधि, अटल पेंशन योजना, मुख्यमंत्री जन-आरोग्य योजना, कन्या सुमंगला, ओडीओपी, सामूहिक विवाह योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पंजीकरण किया जाएगा। स्वास्थ्य जांच और जन-आरोग्य सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। भीषण गर्मी को देखते हुए शिविर स्थलों पर पंडाल, बैठने की व्यवस्था और शीतल पेयजल की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं

फर्रुखाबाद के 19 केंद्रों पर आरक्षी भर्ती परीक्षा: लॉकेट, कंगन और कानों की बालियां उतरवाई गईं, मेटल डिटेक्टर से चेकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को 19 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सुबह 7 बजे से ही केंद्रों के बाहर उम्मीदवारों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। प्रवेश प्रक्रिया सुबह 8 बजे शुरू हुई, जिसमें महिला अभ्यर्थियों की गहन तलाशी ली गई। उन्हें लॉकेट, कंगन, चूड़ी, पायल, हेयर बैंड और कानों की बालियां उतारने के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी अभ्यर्थियों की मेटल डिटेक्टर से तीन चरणों में जांच की गई और फिर बायोमेट्रिक सत्यापन कराया गयाअलग-अलग केंद्रों पर कड़ी निगरानी- क्रिश्चियन इंटर कॉलेज में आधार कार्ड और प्रवेश पत्र का मिलान किया गया। बद्री विशाल डिग्री कॉलेज में महिला और पुरुष अभ्यर्थियों के लिए अलग कतारें लगाई गईं। नारायण आर्य कन्या इंटर कॉलेज में महिला पुलिसकर्मियों ने चूड़ी, कंगन, पायल और बालियां उतरवाकर

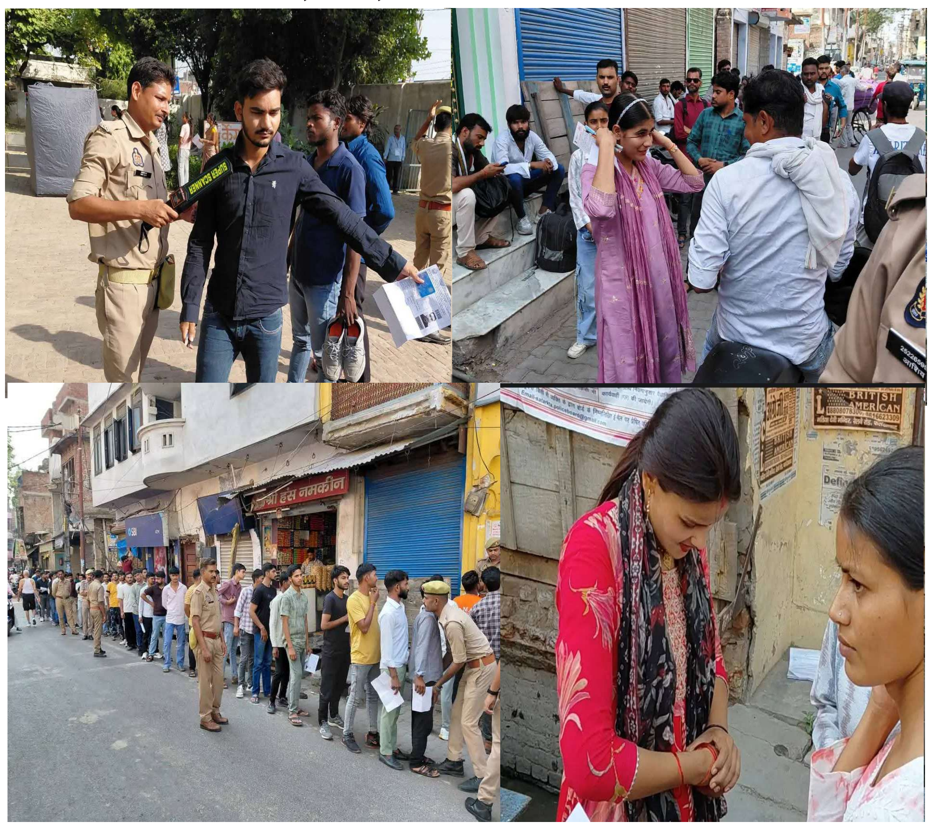

जांच की।अभ्यर्थियों की प्रतिक्रिया- कन्नौज की गौरी पांडेय ने बताया कि उन्हें लॉकेट, हेयर बैंड, कड़ा और कानों की बाली उतरवानी पड़ी। वहीं मैनपुरी के सनी कुमार ने परीक्षा की तैयारी ठीक बताई। हरदोई के दिनेश कुमार ने कहा कि प्रश्नपत्र आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। कई अन्य अभ्यर्थियों ने भी व्यवस्थाओं पर मिश्रित प्रतिक्रिया दी।सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी दिक्कत- परीक्षा में प्रत्येक पाली में 6,720 अभ्यर्थी शामिल हुए। सुरक्षा के लिए सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात रहे। पुलिस लाइन से कंट्रोल रूम के जरिए निगरानी की गई। नारायण कन्या पाठशाला में एक बायोमेट्रिक मशीन खराब होने से कुछ देर अव्यवस्था की स्थिति बनी रही, जिसे अन्य मशीनों से संभाला गया।

69000 शिक्षक भर्ती समेत 22 परीक्षाओं में बड़ा आरक्षण घोटाला, सपा ने भाजपा सरकार को घेरा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रूखाबाद।उत्तर प्रदेश में नौकरियों और आरक्षण व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। जनपद फर्रूखाबाद में समाजवादी पार्टी (सपा) ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य और आरक्षण के साथ बड़े पैमाने पर खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। आवास विकास स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता के दौरान सपा नेताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर हमला बोला।

PD समाज के अधिकारों का हुआ हनन- चंद्रपाल सिंह- सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वर्ष 2019 की चर्चित 69000 शिक्षक भर्ती का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में आरक्षण के नियमों की सरेआम अनदेखी की गई, जिसके कारण हजारों पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (PDA) वर्ग के योग्य अभ्यर्थियों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित होना पड़ा है।जिलाध्यक्ष ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि केवल एक नहीं, बल्कि कुल 22 भर्ती परीक्षाओं में लगभग 11,514 पदों पर आरक्षण नियमों की अनदेखी की गई है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, हमारा देश बाबा साहब के संविधान से चलता है और आरक्षण एक संवैधानिक अधिकार है, जिसे भाजपा सरकार पूरी तरह ताक पर रख रही है। उन्होंने संकल्प जताया कि समाजवादी पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी और पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार सड़क से सदन तक बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे सरकार- डॉ. नवल किशोर शाक्य- प्रेस वार्ता में मौजूद पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य ने भी भाजपा सरकार की भर्ती व्यवस्था पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश के लाखों युवा दिन-रात मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन इस सरकार में लगातार पेपर लीक और आरक्षण घोटालों से उनका भरोसा टूट चुका है। डॉ. शाक्य ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सिद्धांतों को याद दिलाते हुए कहा कि संविधान का मुख्य उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक असमानता को खत्म कर गरीब, पिछड़े और दलित बच्चों को देश के सर्वोच्च पदों तक पहुंचाना था, लेकिन वर्तमान सरकार इस उद्देश्य को खत्म करने में लगी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद कर एक पारदर्शी, साफ-सुथरी और न्यायपूर्ण भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रेस वार्ता में ये वरिष्ठ नेता रहे मौजूद- इस दौरान समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक और पदाधिकारी एकजुट नजर आए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से- पूर्व विधायक प्रताप सिंह यादव पूर्व विधायक अजीत कठेरिया पूर्व मंत्री व जिलाध्यक्ष रामसेवक सिंह यादव पूर्व प्रत्याशी कायमगंज/प्रदेश सचिव सर्वेश आंबेडकर जिला महासचिव इलियास मंसूरी वरिष्ठ नेता डॉ. जेपी वर्मा जिला उपाध्यक्ष अजीत यादव जिला प्रवक्ता राधेश्याम सविता जिला सचिव बिजेंद्र सिंह यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलश विसर्जन के दौरान गंगा नदी में डूबा युवक, तलाश जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /शमशाबाद, फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। शमशाबाद क्षेत्र स्थित ढाई घाट पर सोमवार को कलश विसर्जन कार्यक्रम के दौरान एक 30 वर्षीय युवक गंगा नदी के गहरे पानी में समा गया और लापता हो गया। घटना के बाद से ही इलाके में हड़कंप मच गया है और स्थानीय प्रशासन राहत व बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

भागवत कथा के समापन पर गए थे घाट- प्राप्त जानकारी के अनुसार, कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जीराऊ में सात दिवसीय भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया था।

सोमवार को कथा के सफलतापूर्वक समापन के बाद गाँव में श्रद्धापूर्वक कलश यात्रा निकाली गई। इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण ढाई घाट पहुँचे हुए थे। बच्चों को नहलाते समय हुआ हादसा- प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, कलश विसर्जन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गाँव के ही निवासी संतोष (उम्र 30 वर्ष) अपने बच्चों को गंगा नदी में नहलाने के लिए पानी में उतरे थे। बच्चों को नहलाते समय अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी की ओर चले गए। उन्हें डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन देखते ही देखते वह नदी की तेज धारा में लापता हो गए।

मौके पर पहुँची पुलिस, गोताखोरों की मदद से खोजबीन जारी- हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस और गोताखोरों की टीम तुरंत मौके पर पहुँच गई। दोपहर से ही स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में सघन सर्च ऑपरेशन (तलाश अभियान) चलाया जा रहा है। हालांकि, घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद भी खबर लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग हाथ नहीं लग सका है।

इस अनहोनी की खबर मिलते ही घाट पर परिजनों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई है। पीड़ित परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गाँव में चिंता व मायूसी का माहौल बना हुआ है।पुलिस प्रशासन का बयान- मामले की जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष सचिन सिंह ने बताया कि गोताखोरों की मदद से लापता युवक संतोष की लगातार तलाश की जा रही है। पुलिस टीम और स्थानीय प्रशासन मौके पर मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन अभी जारी है और फिलहाल स्थिति के बारे में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जेठ के षष्ठम बड़े मंगल पर श्री हरि मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, भजनों से गूंजा बजरंग बली का दरबार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर में जेठ माह के षष्ठम बड़े मंगलवार पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मुख्य

पंडित श्री तिवारी जी एवं सुनील शास्त्री जी द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तों ने अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए बजरंग बली महाराज के दरबार में पूजा-अर्चना की। मंदिर के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं के लिए मीठे शरबत की छबील लगाई गई। शाम को महिला मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ एवं श्री हरि संकीर्तन पुरुष मंडल द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। रवि छाबड़ा, संजय आनंद, जतिन दुआ, पंकज, सचिन सेठी एवं सौरभ सहित अन्य भक्तों ने भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ, आरती और शयन आरती के बाद श्रद्धालुओं को भंडारा प्रसादी वितरित की गई। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि श्री हनुमान चालीसा और सामूहिक आरती का आयोजन कई वर्षों से निरंतर चल रहा है, जिसमें युवाओं सहित सभी आयु वर्ग के श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने बताया कि 11 जून से 17 जून तक श्री हरि मंदिर प्रांगण में शाम 6-30 बजे से 9-30 बजे तक श्री गौ भागवत कथा का आयोजन होगा, जिसमें सभी भक्त सपरिवार आमंत्रित हैं।

कालपी में भीषण गर्मी से राहत: विधायक विनोद चतुर्वेदी ने फ्रीजर पेयजल केंद्र का किया लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ कालपी (जालौन), 9 जून। भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहे आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कालपी के विनोद चतुर्वेदी ने तरनमगंज बाजार में विधायक निधि से स्थापित फ्रीजर पेयजल केंद्र का विधिवत फीता काटकर लोकार्पण किया। इस जनहितकारी पहल से बाजार क्षेत्र में आने वाले ग्राहकों, राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय

नागरिकों को अब शुद्ध एवं शीतल पेयजल की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध हो सकेगी। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान बाजार क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में व्यापारी, दुकानदार और स्थानीय नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। व्यापारियों ने विधायक विनोद चतुर्वेदी का माल्यार्पण कर एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर बाजार क्षेत्र विधायक के समर्थन में नारों से गूंज उठा, जिससे कार्यक्रम स्थल पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। अपने संबोधन में विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि जनता की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में शीतल पेयजल की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक होती है, ऐसे में यह फ्रीजर पेयजल केंद्र राहगीरों और बाजार में आने वाले लोगों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में उद्योग व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष नमन अग्रवाल, उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता, भाजपा नेता जीत तिवारी, समीर धवन सहित अनेक व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

How to Boost Plant Growth Without Fertilizers? This Way Will Make Your Garden Lush

Are your plants not growing rapidly despite getting enough water and sunlight? Root-bound may be the cause. When the roots spread too much and become entangled in the pot, the plant's growth is stunted. In such a situation, plant growth can be accelerated by adopting proper gardening techniques without the use of chemical fertilizers. On World Environment Day, millions of people plant trees and pledge to make their homes green. However, it often happens that after a few months of planting, their growth stops. Leaves become smaller, new flowers fail to appear, and the plant appears weak. In such a situation, most people start using expensive fertilizers or chemical fertilizers, while sometimes the problem is not a lack of fertilizer but rather the roots. According to experts, root-bound is a very common problem in potted plants. When the roots of a plant occupy all the space inside the pot and begin to spiral, they cannot get adequate nutrition, water, and oxygen. This directly impacts the plant's growth. However, root-boundness can be easily remedied without expensive fertilizers. By adopting a few simple gardening tricks, you can accelerate your plants' growth again. Let's learn what root-boundness is, how to identify it, and what the easiest way to grow plants faster without fertilizer is. What is root-boundness? Root-boundness occurs when a plant's roots fill all the available space within the pot. Gradually, the roots become entangled and form a dense network. This prevents the plant from developing new roots, preventing its growth. If roots are protruding from the drainage holes at the bottom of the pot or roots are visible on the soil surface, this could be a sign of root-boundness. How to recognize that a plant is root-bound? Some common signs appear in root-bound plants. For example, the plant's growth suddenly stops; leaves turn yellow; the soil dries out quickly despite frequent watering; flowers and fruits are scarce; roots protrude from the pot. If several of these symptoms are observed, it's important to examine the plant's roots. The easiest way to increase plant growth without fertilizer: If a plant has become root-bound, relocating it to a larger pot is considered the most effective solution. To do this, carefully remove the plant and gently loosen the outer part of the roots. If the roots are too tangled, they can be trimmed slightly. Then, replant the plant in a larger pot with fresh, loose soil. Finding new space allows the roots to spread rapidly, and the plant's growth resumes. Follow these gardening tips for a healthy root system: Healthy roots are essential for plant growth. For this, repot plants frequently. Use well-draining soil. Avoid excessive watering. Choose a pot size appropriate for the plant. Loosen the soil periodically. These measures provide adequate oxygen to the roots and help plants grow faster. Natural Gardening Tips - World Environment Day shouldn't be limited to just planting trees. If planted properly, they can benefit the environment for years. Adopting natural gardening techniques instead of relying on chemical fertilizers is beneficial for both the environment and the plants. If minor problems like root bound are identified and corrected in time, plants can grow healthy and rapidly even without additional fertilizer.

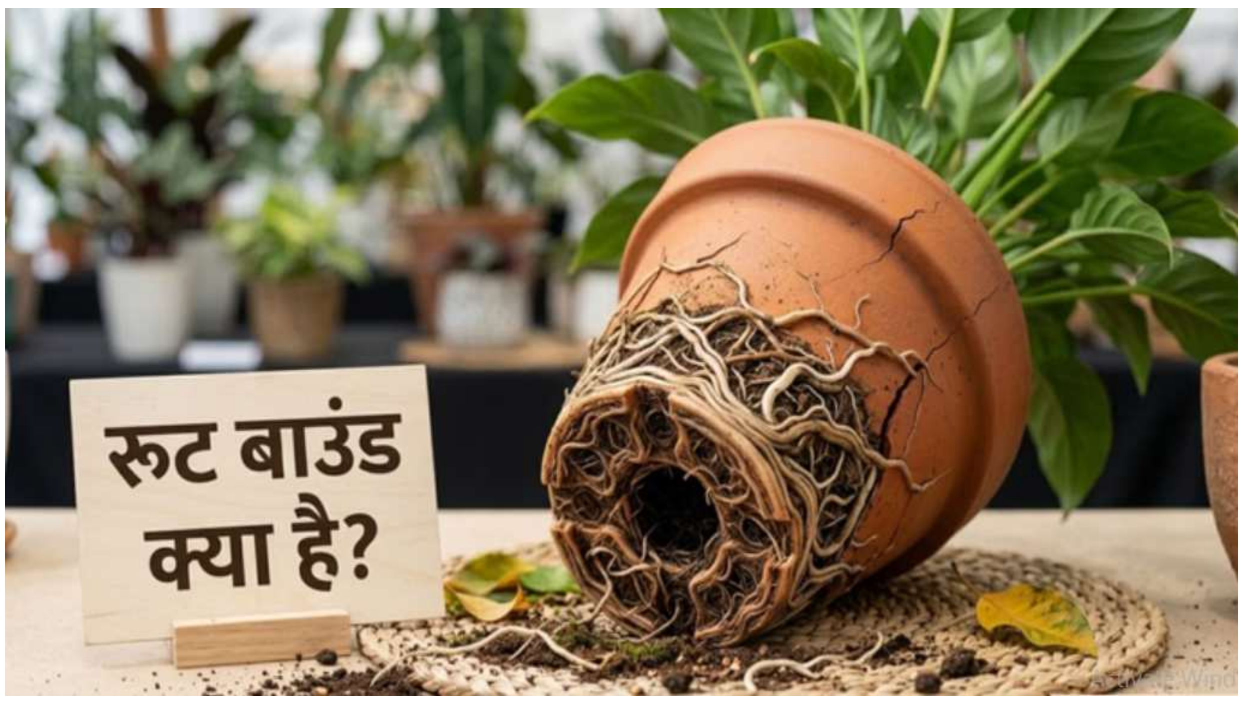

Potatoes aren't harmful, the way they're eaten is the cause of the problem; researchers have uncovered the biggest secret yet.

A team of experts revealed that eating too many potatoes is not only detrimental to health, but deep-fried potatoes can also increase your risk of complications. Let's find out how. Who doesn't love hot pakodas, French fries, samosas, or puris and kachoris? But did you know that this very taste can slowly pose a silent threat to the body? Deep-fried foods have already been shown to be harmful to health in many ways. They are high in calories, which can lead to weight gain and high cholesterol. Deep-fried foods also contain large amounts of trans fat, which can increase heart health problems. But did you know that people who frequently eat deep-fried foods may also have a significantly higher risk of developing type 2 diabetes? If you also eat such things in excess, then be careful from today itself, this habit can make the body home to many diseases. What is the link between deep-fried foods and diabetes? Let's find out about it. Potatoes are harmful, but eating them deep-fried is even more dangerous - In a study published in the BMJ journal, a team of health experts stated that eating too many potatoes is not only harmful to health, but eating them deep-fried can increase your problems even more. The real problem is not the potatoes, but the method of cooking them, especially deep-frying. For this research, over 2.05 lakh people were tracked for approximately 37 years (1984 to 2021). These people were initially in good health and did not have pre-existing diabetes, heart disease, or cancer. Every four years, detailed information was collected from them on their eating habits. In a long-term follow-up, a total of 22,299 people were diagnosed with type 2 diabetes. Deep-fried foods are harmful to health - When researchers tried to understand the health effects of eating potatoes, they found that eating potatoes three times a week slightly increased the risk of diabetes by about 5%. However, when the potatoes were considered separately based on the method of cooking, the picture changed completely. Eating deep-fried potatoes or French fries three times a week increased the risk of type 2 diabetes by about 20%. However, even if boiled, baked, or mashed potatoes were eaten three times a week, there was no significant increase in the risk of diabetes. This difference clearly shows that potatoes become especially harmful when consumed deep-fried. Frying in oil increases calories and changes their chemical structure, which can increase the risk of insulin resistance. What are the effects of other carbohydrates? The research also examined the effect of substituting potatoes for other carbohydrates. Replacing potatoes with whole grains three times a week can reduce the risk of type 2 diabetes by approximately 8%. However, replacing boiled or baked potatoes with white rice can have the opposite effect and increase the risk of diabetes. This makes it clear that avoiding fried foods isn't the only important thing, but what you eat instead is equally important. So, should you stop eating potatoes altogether? Nutritionists say that you don't have to stop eating potatoes altogether. You just need to keep a few things in mind: reduce your intake of French fries, potato chips, and deep-fried foods. When preparing potatoes at home, boiling or baking them with the skin on is a better option, as this preserves fiber. Use very little oil or use an air fryer. Include whole grains like oats, quinoa, brown rice, and millets in your diet to slow the release of sugar into the body.

Headache Risk: Frequent headache pressure and pain? Could it be a sign of TTH?

Office pressure, lack of sleep, and spending hours staring at mobile and laptop screens are leading to a growing number of problems. Do you also experience frequent headaches? Did you know that frequent headaches aren't normal? Do you often suffer from headaches that feel as if someone is tightly gripping your head? If so, you're not alone. A large number of people around the world experience this problem daily. A persistent heaviness in the head is a common problem among people of all ages. Health experts say that office pressure, combined with lack of sleep, increased screen time, relationship tension, and constant mental fatigue, have significantly increased this risk. If you've been ignoring it, thinking it's normal, be careful. Sometimes, this type of headache could be a sign of TTH, or tension-type headache. If you're also troubled by this problem, let's learn what TTH is and how to reduce its risk. Learn about tension-type headaches. Tension-type headaches are one of the most common problems nowadays. It causes a uniform feeling of pressure and tightness throughout the head. It often causes mild to moderate headaches. Experts believe that this problem is caused by muscle tension in the face, neck, and scalp. It's generally believed that emotions, tension, or stress increase muscle tension, which causes headaches. Many people take painkillers, assuming it's just fatigue or lack of sleep. However, when this problem recurs, it's a sign that both the body and mind are constantly under stress. This isn't just a headache, but an alarm for your mental and physical balance, which, if ignored, can lead to serious problems later on. How do you know if you're a victim? Tension-type headaches can cause a variety of problems. A mild, persistent headache. A feeling of pressure in the forehead or on the sides and back of the head. Pain or sensitivity to touch in the muscles of the head, neck, and shoulders. These headaches can sometimes last from 30 minutes to a week and can occur sporadically or repeatedly. People often mistake this type of headache for a migraine, but it's important to know that TTH and migraine are two different conditions. Migraine and tension headache are not the same thing. Migraine and tension headache often feel like a sharp stinging sensation on one side, while tension headaches feel like the entire head is held together by a uniform pressure. This pain can be mild to moderate, but its biggest problem is that it recurs repeatedly and can last for a long time. Migraine headaches often include nausea and vomiting, while tension headaches do not. Tension headaches are primarily caused by physical and mental stress. The risk of developing them has been shown to be higher in people with prolonged mental stress, anxiety, and depression. What to do if you have a tension headache? Lifestyle changes are essential to reduce the risk of tension headaches and prevent them. Getting at least 7-8 hours of sleep daily helps relax the mind. Yoga, meditation, and deep breathing exercises are very effective in reducing stress. These relieve pain by reducing muscle tension. Reducing screen time and resting the eyes is also important. Drinking plenty of water and eating a balanced diet improves blood circulation, which can reduce headaches. If the pain persists, you should definitely consult a doctor.

Hina Khan again posted a cryptic post about Shilpa Shinde. She appealed to the Prime Minister, writing, "Release the criminals..."

Shilpa Shinde has made headlines after admitting to making false allegations of sexual harassment. Hina Khan appears to be standing up to her in this matter. She is responding to Shilpa

through cryptic posts. She has on this issue. Recently, TV actress falsely accused producer Sanjay led to heavy trolling. Actress Hina expressing her displeasure over the responded on social media. posted a cryptic post in which she Shilpa Shinde. Find out what Hina cryptic post. Hina Khan took a dig Hina Khan posted an Instagram writing, "Honorable Prime Minister India, and Law Minister of India, who have confessed to their crimes they have courage, because they because no one supported them crime." Previously, Hina Khan had grief over the false allegations of that doing so weakens the fight of in real life. Shilpa Shinde also responded to Hina Khan's earlier video. Shilpa shared this video after She also tells Hina in a cryptic illnesses to gain publicity. Don't tease Khan had cancer, and she had was the entire Shilpa Shinde case?

already posted two cryptic posts Shilpa Shinde admitted that she Kohli of sexual harassment. This Khan also posted a cryptic post matter, to which Shilpa Shinde However, Hina Khan again appears to be taking a dig at Khan wrote in her second at Shilpa Shinde's confession - story late Thursday night, of India, Honorable President of please release all the criminals after committing them. Because stand with the truth. And also when they committed the posted a cryptic post expressing sexual harassment. Hina said those who are facing harassment targeted Hina. Shilpa Shinde cryptic post with an Instagram Hina Khan's first cryptic post. manner, "You have your own me." Let us tell you that Hina spoken openly about it. What TV actress Shilpa Shinde recently made a shocking revelation. She told Bharti Singh's podcast that she had filed a false sexual harassment case against Sanjay Kohli, producer of the serial "Bhabiji Ghar Par Hain". But the matter was later resolved. After this statement, Shilpa was trolled a lot on social media, and Hina Khan from the TV industry is also speaking against her.

Shakira and Burna Boy will dazzle at the 2026 FIFA World Cup, with "Dai Dai" set to wow the Opening Ceremony

Shakira and Burna Boy will perform at the 2026 FIFA World Cup Opening Ceremony. They are set to work together on the song "Dai Dai." Pop star Shakira and Nigerian singer Burna

Boy will perform together at the 2026 FIFA World Cup Opening Ceremony. FIFA announced this on social media. Both artists will share the stage with several other major global stars. "Dai Dai" Song and Video - Shakira and Burna Boy are working on the official song for FIFA 2026, "Dai Dai." The audio was released on May 16th. The video for the song was shot in Miami. In the video, Shakira will be seen standing atop Mexico City's famous "Angel of Independence" and dancing with African children in the desert. Burna Boy will then make his entrance. Shakira has previously captivated the world with her hit World Cup song "Waka Waka." Highlights of the FIFA World Cup 2026: The tournament will begin on June 11, 2026, at the Mexico City Stadium. Shakira will also perform as the main artist in the first-ever final half-time show in World Cup history, to be held at the New York-New Jersey Stadium on July 19. The FIFA World Cup 2026 is being held from June 11 to July 19, 2026, in the United States, Canada, and Mexico. FIFA's largest music album: A special album, featuring 18 songs, has been created for FIFA 2026. It is being released today, June 5. The album features major artists from across the world, from various music genres (such as K-pop, Afrobeats, Latin, and Hip-Hop). Lisa, Anitta, and Rema collaborate on the song "Goals." Future and Tyla sing "Game Time." Major Lazer, Nelly Furtado, and Davido feature on "No Place Like Home." Ayra Star and Lato appear on "Show Me." A surprise entry in this impressive lineup includes popular internet personality IShowSpeed, who will perform on the track "Champion." Other notable artists include Stormzy, The Rolling Stones, and Daddy Yankee.

"Peddi" grosses ?100 crore on its first day, Ram Charan's wife Upasana celebrates with awe.

Ram Charan's film "Peddi" has had a great start. It crossed the ?100 crore mark on its first day. Ram Charan's wife Upasana Konidela celebrated "Peddi" with a bang. The video is going

viral on social media. Telugu superstar June 4. Despite mixed reviews from box office. The film grossed a staggering grossed approximately ?69 crore on its family and fans are overjoyed with the businesswoman, Upasana Konidela, is "Peddi," Upasana, along with fans, cut a "Peddi Blockbuster." During the She personally fed the cake to the children firecrackers and clapping. Previously, the film with the general audience in a the air whenever Ram Charan's scenes "Peddi" is a sports action drama film Peddi, a talented cricketer from a small, want to sign him, but Peddi's goal is to through cricket. He faces many challenges

Ram Charan's new film, "Peddi," released in theaters on audiences and critics, the film has created a sensation at the ?112.49 crore worldwide on its opening day. In India, it first day. Wife Upasana celebrated with fans. Ram Charan's huge success of "Peddi." A video of Ram Charan's wife and going viral on social media. Celebrating the success of large cake with five stars embroidered on it, inscribed with ceremony, Upasana looked simple and elegant in a pink kurta. and fans present. Ram Charan's fans celebrated by bursting another video of Upasana went viral, showing her watching Hyderabad theater, joyfully throwing pieces of paper into came on. Fans loved her style. What is the story of "Peddi"? directed by Buchi Babu Sana. In the film, Ram Charan plays backward village in Vijayanagaram. Many prominent teams bring recognition and respect to his village worldwide along the way. Peddi's star cast: Peddi stars Ram Charan and Janhvi Kapoor in lead roles. In addition to Ram and Janhvi, the film also features prominent actors like Shiva Rajkumar, Jagapathi Babu, Divyenndu, and Boman Irani. The film is jointly produced by Vriddhi Cinemas, IV Entertainment, Maithri Movie Makers, and Sukumar Writings.